18

भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान में राजभाषा के बढ़ते चरण

भारतीय कृषि सांख्यिकी अनुसंधान संस्थान में वर्ष-दर-वर्ष हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में अभिवृद्धि हो रही है। राजभाषा नीति को संस्थान में सुचारु रूप से कार्यान्वित किया जा रहा है। राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निहित लक्ष्यों को संस्थान में लगभग पूरा कर लिया गया है। संस्थान द्वारा समस्त प्रशासनिक कार्य शत-प्रतिशत हिन्दी में और यथा आवश्यक द्विभाषी हो रहा है। वैज्ञानिक कार्यों में भी हिन्दी के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाता है। न केवल मात्रात्मक रूप में बल्कि हिन्दी के प्रयोग में गुणवत्ता की ओर भी ध्यान दिया जा रहा है।

संस्थान में हिन्दी की प्रगति का जायजा लेने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निदेशक (राजभाषा), श्री हरीश चन्द्र जोशी द्वारा 19 अगस्त, 2008 को संस्थान का राजभाषा सम्बन्धी निरीक्षण किया गया। उन्होंने संस्थान में हो रहे हिन्दी कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

संस्थान के पूर्वानुमान तकनीक प्रभाग की अध्यक्षा, डॉ. रंजना अग्रवाल को केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद् द्वारा आयोजित 26वीं अखिल भारतीय वैज्ञानिक तथा तकनीकी विषयों पर हिन्दी लेख प्रतियोगिता (2006-07) के अन्तर्गत उनके लेख "कम्प्यूटर की कहानी उसी की जुबानी" के लिए अखिल भारतीय महिला (विशेष) पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्रतिवेदनाधीन अवधि में संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकें नियमित रूप से आयोजित की गयीं। इन बैठकों में राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अनुपालन को सुनिश्चित करने, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम की विभिन्न मदों, हिन्दी पत्रिका के प्रकाशन, कार्यशालाओं के नियमित आयोजन, हिन्दी पखवाड़े के आयोजन इत्यादि पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठकों का आयोजन 21 अप्रैल 2008, 19 जुलाई 2008, 23 अक्टूबर 2008 तथा 19 जनवरी 2009 को हुआ।

इस वर्ष में संस्थान के कर्मियों के लिए चार कार्यशालाएँ आयोजित की गयीं। पहली कार्यशाला 26 से 28 मई 2008 के

दौरान "हिन्दी टंकण" पर आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में केन्द्रीय हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान के सहायक निदेशक (टंकण/आशुलिपि), सर्वश्री चमन सिंह रावत, राकेश कुमार वर्मा तथा दिनेश चन्द्र ने प्रतिभागियों को कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण का प्रशिक्षण दिया। द्वितीय कार्यशाला 26 तथा 27 सितम्बर 2008 को "हिन्दी वर्तनी एवं व्याकरण" विषय पर आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उपनिदेशक (राजभाषा), श्री लक्ष्मी कांत तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के हिन्दी विभाग के रीडर, डॉ. राजीव लोचन नाथ शुक्ला ने "हिन्दी वर्तनी एवं व्याकरण" विषय पर व्याख्यान दिये। तृतीय कार्यशाला 22 तथा 23 दिसम्बर 2008 को संस्थान के वैज्ञानिक एवं तकनीकी वर्ग के लिए "वैज्ञानिक/तकनीकी सामग्री का हिन्दी अनुवाद" विषय पर आयोजित की गयी। इस कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के निदेशक (राजभाषा), श्री हरीश चन्द्र जोशी ने "वैज्ञानिक विषयों का हिन्दी अनुवाद" तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उपनिदेशक (राजभाषा), श्री लक्ष्मी कांत ने "कार्यालयीन अनुवाद" विषय पर व्याख्यान दिये। चतुर्थ कार्यशाला 05 तथा 06 मार्च 2009 को "राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन" विषय पर आयोजित की गयी जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के पूर्व निदेशक (हिन्दी), श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्त तथा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के पूर्व सम्पादक (हिन्दी), श्री अनिल कुमार दुबे ने "राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन" विषय पर व्याख्यान दिये।

हिन्दी कार्यशाला के उपरान्त एक प्रतिभागी प्रमाण पत्र प्राप्त करते हुए

संस्थान में कार्यरत सभी हिन्दीतर भाषी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा हिन्दी ज्ञान सम्बन्धी प्रशिक्षण पूरा किया जा चुका है । आज तक की स्थिति के अनुसार, संस्थान में अब कोई ऐसा हिन्दीतर भाषी अधिकारी/कर्मचारी शेष नहीं रह गया है जिसे हिन्दी ज्ञान सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया जाना शेष हो । इसके अतिरिक्त, "हिन्दी शिक्षण योजना" के अन्तर्गत संस्थान में हिन्दी आशुलिपि के प्रशिक्षण का लक्ष्य भी संस्थान द्वारा पूरा कर लिया गया है तथा केवल दो नव नियुक्त टंकक अपनी टंकण परीक्षा शीघ्र देंगे।

संस्थान में वार्षिक कार्यक्रम में निहित लक्ष्यों को पूरा करते हुए संस्थान के अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा अपनी ओर से लिखे जाने वाले सभी पत्र तो हिन्दी अथवा द्विभाषी रूप में लिखे ही गये साथ ही, 'क', 'ख' तथा 'ग' क्षेत्रों से अँग्रेज़ी में प्राप्त पत्रों के उत्तर भी शत-प्रतिशत हिन्दी में अथवा द्विभाषी रूप में दिये गये। 'क' तथा 'ख' क्षेत्रों की राज्य सरकारों एवं उनके कार्यालयों और गैर-सरकारी व्यक्तियों के साथ पत्राचार शत-प्रतिशत हिन्दी में अथवा अपेक्षानुसार द्विभाषी रूप में ही किया गया। संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिक प्रभागों तथा प्रशासनिक अनुभागों द्वारा आयोजित की जाने वाली बैठकों की कार्यसूची तथा कार्यवृत्त शत-प्रतिशत हिन्दी में अथवा द्विभाषी रूप में जारी किये गये।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार अपना कार्य शत-प्रतिशत हिन्दी में करने के लिए आठ अनुभागों को विनिर्दिष्ट करने का लक्ष्य संस्थान द्वारा पहले ही प्राप्त कर लिया गया है। हमारे संस्थान में अपना कार्य शत-प्रतिशत हिन्दी में करने के लिए दस अनुभाग पहले से ही विनिर्दिष्ट हैं।

प्रशासनिक कार्य के अतिरिक्त संस्थान में वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यों में भी हिन्दी के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता है। वैज्ञानिकों ने अपनी परियोजना रिपोर्टों के सारांश द्विभाषी रूप में दिये, विद्यार्थियों द्वारा अपने शोध-प्रबन्धों में द्विभाषी रूप में सारांश प्रस्तुत किये गये। वैज्ञानिकों एवं तकनीकी कर्मियों द्वारा हिन्दी में शोध-पत्र प्रकाशित किये गये । इसके अतिरिक्त, संस्थान से बाहर आयोजित हिन्दी संगोष्ठियों में भी संस्थान के तकनीकी कर्मियों ने सहभागिता की। संस्थान द्वारा किये जाने वाले सर्वेक्षणों की प्रश्नावलियाँ/प्रपत्र/निर्देश द्विभाषी रूप में तैयार किये गये।

संस्थान द्वारा हिन्दी पत्रिका, "सांख्यिकी-विमर्श" के चौथे अंक का प्रकाशन किया गया। इस अंक में संस्थान के कीर्तिस्तम्भ, संस्थान द्वारा इस वर्ष किये गये अनुसंधानों व अन्य कार्यों का संक्षिप्त

विवरण, वर्तमान परिदृश्य एवं भावी चुनौतियों की एक झलक, राजभाषा से सम्बन्धित कार्यों/गतिविधियों की जानकारी के साथ-साथ कृषि अनुसंधान डाटा पुस्तिका एवं पुस्तकालय कन्सोंटियम का विवरण भी दिया गया है। साथ ही, कृषि सांख्यिकी एवं कृषि में संगणक अनुप्रयोग से सम्बन्धित विभिन्न लेखों एवं शोध-पत्रों, जिनमें कुछ प्रमुख एवं नवीनतम अनुसंधानों के व्याख्यान एवं सॉफ़्टवेयर का वर्णन है, से भी पाठकों को परिचित कराया गया है। संस्थान में आयोजित डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यानमाला के अन्तर्गत 17वाँ वैज्ञानिक व्याख्यान इस वर्ष खाद्य एवं कृषि संगठन (एफ.ए.ओ.) के पूर्व विशेषज्ञ, डॉ. कर्ण देव सिंह जी द्वारा ''ग्रामीण दरिद्रता...............सकते हैं'' विषय पद दिया गया। जिसे आमन्त्रित ज्ञानवर्धक लेख के रूप में इस पत्रिका में सम्मिलित किया गया है। अन्त में, दैनिक स्मरणीय सांख्यिकीय एवं संगणक अनुप्रयोग से सम्बन्धित सौ शब्दों का शब्द-शतक हिन्दी व अँग्रेज़ी में दिया गया है।

संस्थान की वेबसाइट द्विभाषी है जिसको समय-समय पर अद्यतन किया गया। इस वर्ष संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध "हिन्दी-सेवा लिंक" में द्विभाषी टिप्पणियों तथा वैज्ञानिक तथा प्रशासनिक शब्दावली में सामग्री जोड़ने के साथ-साथ पदनामों की द्विभाषी सूची भी शामिल की गयी है।

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी तथा परिचालित विभिन्न नकद पुरस्कार योजनाएँ संस्थान में लागू हैं। संस्थान के कर्मियों ने इन योजनाओं में भाग लिया ।

संस्थान में सितम्बर 2008 के दौरान हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम/प्रतियोगिताएँ इस प्रकार हैं: काव्य-पाठ, शिक्षक दिवस, डॉ. दरोगा सिंह स्मृति व्याख्यान, प्रभागीय चल-शील्ड, प्रश्न-मंच, हिन्दी श्रुतलेख एवं शब्दार्थ लेखन (हिन्दीतर भाषियों के लिए), हिन्दी वर्तनी एवं शोध -पत्र-पोस्टर-प्रदर्शन प्रतियोगिता। संस्थान में 05 सितम्बर 2008 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि, प्रोफेसर अलोक डे को सम्मानित किया गया। 15 सितम्बर 2008 को हिन्दी दिवस समारोह के मुख्य अतिथि, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के उप-महानिदेशक (एन.आर.एम), डॉ. अनिल कुमार सिंह द्वारा सफल प्रतियोगियों को पुरस्कृत किया गया।

डॉ. पी.के. जोशी, प्रोफेसर अलोक डे को सम्मानित करते हुए

स्वर्ण जयन्ती Golden Jubilee

IASRI

GOLDEN JUBILEE

1959-2009